विद्यालय एवं समुदाय में अन्त:क्रिया

डॉ० प्रवीण कुमार तिवारी

सह आचार्य

शिक्षा एवं सहबद्ध विज्ञान संकाय, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

समुदाय: परिचय

जैसा कि आपने पिछले व्याख्यानों के माध्यम से सीखा है कि कोई भी गांव, कस्बा, नगर, प्रांत आदि अपने आप में एक समुदाय है। समुदाय में रहने वाले लोग अपना संपूर्ण जीवन उसी के अंतर्गत जीते हैं, तथा विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उसमें सदस्य के रूप में रहते हैं। एक समुदाय की अपनी कुछ खास परंपराएं खान-पान, रहन-सहन आदि के नियम होते हैं जो लोगों के व्यवहार को निर्देशित और नियंत्रित करने में योगदान देते हैं। किसी समुदाय के निर्माण के लिए तीन तत्वों का होना आवश्यक है:

व्यक्तियों का समूह, निश्चित भौगोलिक क्षेत्र एवं समूह भावना

सामाजिक अंत:क्रिया

समाज सामाजिक संबंधों का एक जाल है। समाज का प्रत्येक सदस्य अपने किसी न किसी आवश्यकता के लिए अन्य सदस्यों पर निर्भर करता है। इस पारस्परिक निर्भरता के कारण समाज के सदस्य एक दूसरे के संपर्क में आते हैं और उनके बीच सामाजिक अंत:क्रिया होती है।

सामाजिक अंत:क्रिया को परिभाषित करते हुए ग्रीन ने लिखा है, **"सामाजिक अंत:क्रिया से तात्पर्य उस प्रभाव से है जो अपनी समस्याओं को हल करने के प्रयास में और लक्ष्यों की ओर बढ़ने में व्यक्ति और समूह एक दूसरे पर डालते हैं।"**

सामाजिक अंत:क्रिया के प्रकार

सामाजिक अंत:क्रियाएँ मुख्यत: पाँच प्रकार की होती हैं:

- सहयोग (Co-operation)
- प्रतियोगिता (Competition)
- संघर्ष (Conflict)
- व्यवस्थापन (Accommodation)
- आत्मसातीकरण (Assimilation)

दो अन्य प्रकार:

✦विघटनात्मक अंत:क्रियाएँ (Disjunctive Interaction)

✦संयुक्तात्मक अंत:क्रियाएँ (Conjunctive Interaction)

सहयोग, प्रतियोगिता एवं संघर्ष

सहयोग का सामान्य तात्पर्य उस अंत:क्रिया से है जिसमें दो या दो से अधिक व्यक्ति एक सामान्य लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रयास करते हैं। उदाहरण के लिए शिक्षा का स्तर उच्च बनाए रखने के लिए एवं विद्यार्थियों की ज्ञान वृद्धि करने के लिए अध्यापक माता पिता और विद्यार्थी के मध्य अन्त: क्रिया।

प्रतियोगिता तब होती जब अवसर कम होते हैं और उसे प्राप्त करने की इच्छा रखने वाले लोग अधिक होते हैं। अच्छे विद्यालयों में प्रवेश के समय समुदाय के लोगों में प्रतियोगिता होती है।

संघर्ष वह सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति या समूह अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए लगातार संघर्ष करते हैं। जैसे विद्यालय बच्चियों के प्रवेश के लिए रूढ़िवादी अभिभावकों के साथ संघर्ष करता है।

व्यवस्थापन एवं आत्मसातीकरण

- **व्यवस्थापन** विभिन्न संघर्षों के दौरान बाह्य शांति स्थापित करने के लिए, स्वयं को बदलने की जो क्रिया मनुष्य करता है उसे व्यवस्थापन कहा जाता है। व्यवस्थापन कई तरीकों से हो सकता है: जैसे बल प्रयोग के द्वारा, समझौते के द्वारा, पंचों के फैसले के द्वारा या युक्तिकरण के द्वारा।
- **आत्मसातीकरण** के द्वारा असमान व्यक्ति और समूह अपनी इच्छाओं और रुचियों को एक दूसरे में समाहित कर देते हैं और समरस बन जाते हैं जिससे कि उनमें कोई भेदभाव व विरोधी प्रवृतियां नहीं रहती।

विद्यालय: एक लघु समुदाय

एक समुदाय में विविध समूह, संस्थाएं और संगठन होते हैं। विद्यालय भी समुदाय का एक हिस्सा है। विद्यालय समुदाय की सेवा के लिए, समुदाय द्वारा निर्मित किया जाता है। विद्यालय में नामांकित सभी विद्यार्थी समुदाय से आते हैं और विद्यालय में एक विशेष समुदाय का निर्माण करते हैं। इस प्रकार विद्यालय को एक संगठित समुदाय माना जा सकता है जिसे बच्चों के सर्वांगीण विकास और समाजीकरण का दायित्व सौंपा गया है ताकि वे अपने समुदाय के उपयोगी और जिम्मेदार सदस्य बन सकें।

विद्यालय एवं समुदाय की अंत:क्रिया की आवश्यकता

विद्यालय और समुदाय के बीच पारस्परिक अंत:क्रिया से विद्यालय की शैक्षिक और प्रशासनिक गतिविधियों का प्रभावी प्रबंधन तो होता ही है साथ-ही-साथ समुदाय का भी विकास होता है। इसलिए विद्यालय एवं समुदाय की यह अंत:क्रिया अत्यंत आवश्यक है।

एक शिक्षक के रूप में हमें विद्यालय की उन विविध गतिविधियों की जानकारी होनी चाहिए जिनके द्वारा विद्यालय एवं समुदाय को एक दूसरे के पास लाया जा सकता है, और दोनों की अंत:क्रिया बढ़ाई जा सकती है।

विद्यालय और समुदाय के संबंधों के आधार

- समुदाय के विकास में विद्यालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- विद्यार्थियों को सामुदायिक कार्यों में संलग्न करके उनके ज्ञान, अभिव्यक्ति, कौशल और व्यक्तित्व के समस्त पक्षों का विकास किया जा सकता है।
- विद्यालय और समुदाय विकास हेतु प्रभावी रूप से कार्य कर सकें इसके लिए उनके बीच अंत:क्रिया आवश्यक है।
- गाँधी जी ने बुनियादी शिक्षा व्यवस्था में इसकी पुरज़ोर वकालत की है।

गाँधी जी की बुनियादी शिक्षा की व्यवस्था में समुदाय के साथ विद्यालय के संबंध

बुनियादी विद्यालयों में विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन की समस्याओं का अनुभव करने के अवसर प्रदान किये जाते हैं। विद्यालय, विद्यार्थियों को इन समस्याओं को शिक्षक और समुदाय के सहयोग से समझाने की कोशिश करते हैं। बुनियादी शिक्षा के दर्शन के अनुरूप समस्त विद्यालय समुदाय का हिस्सा बन कर विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों का केंद्र बन सकते हैं ताकि समाज की बेहतरी के लिए वे सक्रिय भूमिका निभा सकें।

विद्यालय-समुदाय अंत:क्रिया से अभिभावक, विद्यालय एवं समुदाय को लाभ

- विद्यालय-समुदाय अन्त:क्रिया अभिभावकों को संगठित करने का एक सशक्त माध्यम है। अभिभावकों को संगठित करके से विद्यालय के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाए जा सकते हैं। अभिभावकों के माध्यम से स्थानीय रीति-रिवाज और परंपराओं की जानकारी विद्यार्थियों को बेहतर ढंग से हो पाती है साथ ही कई अन्य सहयोग भी विद्यालय को प्राप्त होता है।
- अभिभावक और शिक्षक बच्चों की शिक्षा में सहभागी होंगे तो अधिगम की प्रक्रिया अधिक प्रभावी और आसान हो सकती है। उदहारण के लिए कक्षा में जो सिखाया गया है उसका अभ्यास घर में कराया जाय तो अधिगम की प्रक्रिया प्रभावी होगी।
- इस अंत:क्रिया से अभिभावकों को विद्यालय की गतिविधियों की सम्पूर्ण सूचना रहेगी और वे स्वयं को सशक्त महसूस करेंगे।

विद्यालय-समुदाय अंत:क्रिया से विद्यार्थियों को लाभ

- समुदाय के साथ कार्य करते हुए विद्यार्थी यह सीख पाते हैं कि सैद्धांतिक ज्ञान का उपयोग वास्तविक जीवन में कैसे करना है।
- विद्यालय के समुदाय के साथ सहयोगात्मक अंत:क्रिया के कारण विद्यार्थियों में सकारात्मक दृष्टिकोण और मूल्यों का विकास होता है।
- विद्यालय एवं समुदाय की अंत:क्रिया विद्यार्थियों में अवलोकन और व्यावहारिक रूप से सीखने के कौशल विकसित करने में सहायक होते हैं।

विद्यालय-समुदाय अंत:क्रिया से विद्यार्थियों को लाभ

- विद्यालय एवं समुदाय की अंत:क्रिया विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल विकसित करने में प्रभावी होते हैं।
- विद्यालय एवं समुदाय की अंत:क्रिया, विद्यार्थियों में सहयोग और सहायता की आदत विकसित करने में सहायक होती है।
- विद्यालय एवं समुदाय की अंत:क्रिया विद्यार्थियों में समायोजन, सहनशीलता एवं लोकतांत्रिक मूल्य को विकसित करने में सहायक है।

अभिभावकों को लाभ

- विद्यालय एवं समुदाय की अंतःक्रिया के फलस्वरूप विद्यार्थी के शिक्षण अधिगम में माता पिता की भागीदारी को प्रोत्साहन प्राप्त होता है।
- विद्यालय एवं समुदाय की अंतःक्रिया, बच्चे के सन्दर्भ में विस्तृत बहुमुखी सूचना प्रदान करने में सक्षम है साथ ही यह बच्चे की छुपी प्रतिभा को उजागर करने में सहायक है। विद्यालय के प्रयास से अभिभावक इस कार्य में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं।
- विद्यालय एवं समुदाय की अंतःक्रिया के कारण अभिभावकों को विद्यालय से एक जुड़ाव महसूस होता है

समुदाय को लाभ

- विद्यालय एवं समुदाय की अंत:क्रिया 'समाजोन्मुख नागरिक' बनाती है।
- विद्यालय एवं समुदाय की अंत:क्रिया विद्यार्थियों में सामुदायिक रीति-रिवाज एवं परम्पराओं का ज्ञान कराने में भी प्रभावी है।
- विद्यालय एवं समुदाय की अंत:क्रिया, सामुदायिक विकास को गति प्रदान करता है।
- भिन्न प्रकार से सक्षम विद्यार्थियों का समुदाय आधारित पुनर्वास सम्भव हो पाता है ।

विद्यालय को लाभ

- विद्यालय एवं समुदाय की अंत:क्रिया से समुदाय, विद्यालय के लिए अतिरिक्त आर्थिक व भौतिक संसाधन जुटा पाने में सहयोगी सिद्ध हो सकता है।
- विद्यालय एवं समुदाय की अंत:क्रिया के कारण शैक्षिक प्रक्रिया में सामुदायिक संसाधनों का उपयोग संभव हो पाता है, जैसे बैंक की कार्य प्रणाली बताने के लिए बैंक में भेजना, सिलाई की कक्षा में किसी स्थानीय दर्ज़ी का सहयोग आदि।

विद्यालय-समुदाय अंत:क्रिया को बढ़ाने के सरकारी प्रयास

- विद्यालय समुदाय संबंधों को स्थापित करने के लिए निर्देश और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में सरकारी नीतियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- संविधान संशोधन अधिनियम 73वें, 74वें, व 86 वें में इस हेतु आवश्यक प्रविधान किए गए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986, प्रोग्राम ऑफ़ एक्शन 1992, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 आदि के माध्यम से शिक्षा में समुदाय की सहभागिता के लिए महत्वपूर्ण प्रविधान व व्यवस्थाएँ की गयी हैं।
- विद्यालय-समुदाय अंत:क्रिया को बढ़ावा देने हेतु शिक्षा का विकेंद्रीकरण किया गया है।

विद्यालय-समुदाय अंत:क्रिया को बढ़ाने के सरकारी प्रयास

विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया के रूप में राज्य सरकार ने विभिन्न ग्रामीण शिक्षा समिति स्थापित किए हैं। साथ ही विद्यालयों की कार्यप्रणाली को सुधारने में योगदान के लिए पंचायती राज प्रणाली को अधिकार प्रदान किये गए हैं एवं इस हेतु ग्राम शिक्षा समिति का प्रावधान रखा गया है।

ग्राम शिक्षा समितियों के अतिरिक्त विद्यालय के साथ समुदाय की भागीदारी को सुगम बनाने वाली अन्य समितियाँ भी हैं जिनमें प्रमुख हैं:

- विद्यालय प्रबंधन समिति (School Management Committee, SMC)
- माता-पिता शिक्षक संघ(Parent Teacher Association PTA),
- माता शिक्षक संघ (Mother Teacher Association) आदि।

विद्यालय-समुदाय अंत:क्रिया में शिक्षक की भूमिका

- शिक्षक के प्रयास से स्थानीय समुदाय व प्रशासन बच्चों की अन्वेषण प्रकृति को प्रोत्साहित करें। इस कार्य में शिक्षक योजना बनाएँ और विद्यार्थियों की मदद करें। जैसे यदि विद्यार्थी को विभिन्न प्रकार के पौधों के बारे में जानना हो तो शिक्षक उन्हें समुदाय में ले जाकर विभिन्न प्रकार के पौधों के बारे में कृषक से सीखने हेतु प्रोत्साहित करें। विद्यार्थी को बैंक की कार्य प्रणाली जाननी हो तो उसे बैंक मे ले जाकर बैंककर्मियों से सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।
- स्थानीय शासन एवं स्कूल की मदद से बच्चों को सूचना संग्रहण, नियोजन, मूल्यांकन एवं प्रबंधन के मौके दिए जाएं जिससे उनमें लोकतान्त्रिक गुणों का विकास हो सके।
- यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को उनके अधिकार दिए जाने चाहिए एवं निरंतर उनके अधिकारों की रक्षा हो ऐसी व्यवस्था शिक्षक को करनी चाहिए।

विद्यालय-समुदाय अंत:क्रिया में शिक्षक की भूमिका

- शिक्षक, समुदाय के मौखिक इतिहास, लोकगीत, लोक संस्कृति, लोक कलाएं इत्यादि और पारंपरिक ज्ञान (बीजारोपण और फसल कटाई, मानसून, परंपरागत शिल्प से जुड़ी कला इत्यादि) का प्रसार बच्चों में कराएँ एवं जहाँ आवश्यक हो, स्कूल को इसके लिए प्रोत्साहित करें।
- विषय-वस्तु को संशोधित कर उसमें स्थानीय स्तर के व्यवहारिक और उपयुक्त उदाहरण जोड़ें।
- ज्ञान के सृजन में विद्यार्थियों की मदद करें।

विद्यालय-समुदाय अंत:क्रिया में शिक्षक की भूमिका

- सामुदायिक अधिगम के क्रम में बच्चों द्वारा महसूस की जा रही मुश्किलों का समाधान करने में योगदान दें।
- व्यवसायिक प्रशिक्षण के मानक तय करने में भागीदार बनें।
- गांव के बच्चों के शिक्षण हेतु अनुकूल परिवेश विकसित करें।
- बच्चों को घरेलू भाषा के इस्तेमाल में मदद करते हुए उन्हें क्रम से स्कूली भाषा तक लाने में स्थानीय भाषा बोलने वालों से मदद लें।

विद्यालय-समुदाय अंत:क्रिया में शिक्षक की भूमिका

- स्थानीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के विकास में स्थानीय व्यक्तियों की मदद लें।
- इस पर मंथन करें कि पाठ्यचर्या में किस प्रकार के सीमित संशोधन किये जाएँ ताकि स्कूल की प्रक्रिया में गांव को शामिल किया जा सके।
- विद्यार्थियों को विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों में सहभागी होने के लिए प्रेरित करें।
- विद्यालय के कार्यक्रमों में समुदाय को आमंत्रित करें एवं समुदाय की लोक कलाओं को शामिल करें यथा लोक नृत्य, लोक गीत, लोक नाटक आदि।

विद्यालय-समुदाय अंत:क्रिया को उन्नत बनाने के लिए क्रियाकलाप

बाह्य सामुदायिक पर्यावरण से जोड़ने हेतु कार्यक्रम-

- आपकी कक्षा के बाहर ऐसे अनेक संसाधन उपलब्ध हैं जिनका प्रयोग आप अपने पाठों में कर सकते हैं। आप विभिन्न प्रकार के अनाजों, पत्तों, पौधों, कीटों, विभिन्न प्रकार की लकड़ियों, विभिन्न प्रकार के पत्थरों आदि वस्तुओं को एकत्रित कर सकते हैं या अपनी कक्षा से एकत्रित करने को कह सकते हैं, इसमें समुदाय का सहयोग ले सकते हैं, जिससे विद्यार्थियों अपने आस-पास के वातावरण से जुड़ पाएँ।

विद्यालय-समुदाय अंत:क्रिया को उन्नत बनाने के लिए कार्यकलाप

अपनी कक्षा में स्थानीय विशेषज्ञों का उपयोग करना:

- यदि आप गणित में पैसे या परिमाणों पर काम कर रहे हैं तो आप बाज़ार के व्यापारियों या दर्जियों को कक्षा में बुलाकर उन्हें यह समझाने को कह सकते हैं कि वे अपने काम में गणित का उपयोग कैसे करते हैं?

विद्यालय-समुदाय अंत:क्रिया को उन्नत बनाने के लिए कार्यकलाप

- बस की समय सारणी या विज्ञापन जैसे संसाधन भी आसानी से उपलब्ध हो सकते हैं जो स्थानीय समुदाय के लिए प्रासंगिक हो सकते हैं। जैसे समय की संकल्पना सीखाने के लिए यात्रा के समय की गणना करने के कार्य निर्धारित करके, शिक्षा को सामुदायिक संसाधन उन्मुख बनाया जा सकता है।
- कक्षा में बाहर से वस्तुएं लाई जा सकती हैं साथ ही साथ बाहरी स्थान तक कक्षा का विस्तार भी हो सकता है। आम तौर पर सभी विद्यार्थियों के लिए चलने-फिरने और अधिक आसानी से देखने के लिए बाहर अधिक जगह होती है। जब आप सीखने के लिए अपनी कक्षा को बाहर ले जाते हैं तब विद्यार्थियों से कई गतिविधियां कराई जा सकती हैं जिससे वे अपने परिवेश से जुड़ पाएँ, और इन कार्यक्रमों में समुदाय का सहयोग लिया जा सकता है-

विद्यालय-समुदाय अंत:क्रिया को उन्नत बनाने के लिए कार्यकलाप

- दूरियों का अनुमान करना और उन्हें मापना
- यह दर्शाना कि घेरे पर हर बिन्दु केन्द्र बिन्दु से समान दूरी पर होता है
- दिन के भिन्न समयों पर परछाइयों की लंबाई को रिकार्ड करना
- संकेतों और निर्देशों को पढ़ना
- साक्षात्कार और सर्वेक्षण आयोजित करना
- स्थानीय समुदाय के लोगों के साथ विभिन्न विषयों पर परिचर्चा करना
- सौर पैनलों की खोज करना
- समुदाय के लोगों के सहयोग से फसल वृद्धि और वर्षा की निगरानी करना

आज हमने सीखा

समुदाय एवं विद्यालय की अंत:क्रिया के क्या लाभ हैं?

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

और इसे कैसे उन्नत बनाया जा सकता है?

धन्यवाद